GVT-Ratlam gets recognition for outstanding work in Bajana (M.P.)

Gramin Vikas Trust, Ratlam again made it through the pages of *Dainik Bhaskar*, a daily newspaper dated 29th October 2013 for using innovative approach towards improving livelihood for the marginalized tribal community of *Bajana* block in Ratlam district through its WADI projects.

रतलाम

मौसम — तापमान (डिग्री सेंटीग्रेड में) रतलाम 33.2/19.4 • मंदसौर 35.1/20.0 • उज्जैन 33.0/16.0 • शाजापुर 33.1/15.4

बंजर भूमि पर लहलहाने लगी हरियाली

• वाड़ी से बदला किसानों का जीवन स्तर • 2000 एकड़ क्षेत्र में चल रही योजना • आम, जामफल के साथ उग रहे पपीते

60 गांवों के 1600 से अधिक ग्रामीण ले रहे लाभ

मनीष पराले | रतलाम

यहां से 40 किमी दूर रावटी-बाजना के बीच कभी बंजर रही भूमि आज किसानों की रोजी-रोटी का जरिया बन गई है। किसानों की मेहनत से बंजर जमीन आम व जामफल दे रही है। यहां होने वाली हल्दी राजस्थान व गुजरात पहुंच रही है। ग्रामीण विकास ट्रस्ट की वाड़ी परियोजना से 60 गांवों के 1600 से अधिक हितग्राही लाभ ले रहे हैं। 2000 एकड़ क्षेत्र में चल रही योजना में कृषक फसल के साथ सब्जियां भी उगा रहे हैं।

बाजना विकासखंड की 2000 एकड़ बंजर भूमि में आम व जामफल के साथ पपीते की खेती कर रहे हैं। करीब चार साल पहले पथरीली व बंजर जमीन ग्रामीण विकास ट्रस्ट की वाड़ी परियोजना से हरियाली की चादर ओढ़े हुए है। बीज देने के साथ पौधे की सुरक्षा व उत्पाद खरीदने की व्यवस्था वाड़ी ही कर रही है। इसने 1600 से अधिक किसानों को फसल व बाजार देकर आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया है। किसान भी वाड़ी के साथ मंडप विधि से वर्ष में दो फसलें, सब्जी व औषधीय फसल ले रहे हैं।

म.प्र. राज्य शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
मिरेकल पैरामेडिकल कॉलेज, रतलाम
कोर्सेस: ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन • एक्स रे टेक्नीशियन • हेल्थ इन्स्पेक्टर • लैब टेक्नीशियन • आप्टोमेट्री एण्ड रिफरेक्शन • नेचुरोपैथी • योगा • ई.सी.जी. टेक्नीशियन
प्रवेश प्रारम्भ
MIRACLE GROUP
न्यू रोड, पवन ट्रेवल्स के सामने, रतलाम 07412-220440, 9406867650

जैविक खाद से खेती

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक दिनेश अग्रवाल ने बताया वाड़ी में खेती जैविक खाद से होती है। ग्रामीण विकास ट्रस्ट सिंचाई के लिए पानी की टंकी, पानी की मोटर, डीजल पंप, वाड़ी तैयार करने में आवश्यक सामग्री जैसे बल्ली, तार, वनवासी की मजदूरी अनुदान में दी जाती है। पौधों को धूप व हवा से बचाने के लिए ग्रीन नेट लगाते हैं।

रावटी क्षेत्र में वाड़ी में लहलहाती फसल। फोटो: मुकेश जोशी

गुजरात पहुंची हरथल की हल्दी

गांवों में विकास समिति का गठन किया गया। समिति से जुड़े किसानों ने 10 से अधिक वाड़ी लगाकर हल्दी उत्पादन किया। हरथल, बीड़, खेड़ियापाड़ा, सेमलखेड़ी, रतनगढ़ में सहित कई गांवों में मंडप विधि से दोहरी फसल ली। यहां की हल्दी गुजरात के वडोदरा, दाहोद, झाबुआ सहित रतलाम जिले में बिक व उपयोग हो रही है।

2009 से अब तक का सफर

जीवीटी के एपसी गंगवार ने बताया वाड़ी के तहत हरथल, भीमपुरा, उमरभड़ा, जांबूपाड़ा, देवला, पीपलीपाड़ा सहित 60 गांवों में वाड़ी बनाई। 2009 में जहां पथरीली जमीन थी वहां अब दो परियोजनाओं के तहत 1610 वाड़ियां बन चुकी हैं। यहां आम के 54 हजार 200 व जामफल के 24 हजार 640 वृक्ष हैं। अब ग्राम विकास समिति का गठन करेंगे। उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराने की तैयारी है।

फायदेमंद साबित हुई मंडप वाड़ी

सादा वाड़ी के साथ दोहरी फसल के लिए मंडप वाड़ी का प्रयोग किया। बल्ली व तार के सहारे जमीन पर मंडप तैयार किए। जमीन में हल्दी, अदरक व सब्जियां उगाईं। बेल वाली सब्जियां (लौकी, करेला, टिंडा, ककड़ी) भी लगाई गईं। सब्जियों के साथ-साथ हल्दी व अदरक के उत्पादन से किसानों को दोहरा लाभ हुआ है। किसान शहर आकर खुद भी सब्जी बेच रहे हैं। रावटी के शंभू देवी व छपीडामोर के कालजी मना ने बताया वाड़ी लगाने से स्थिति सुधरी है। आम व जामफल के साथ पपीता लगाया। वाड़ी ने बाजार भी उपलब्ध करा दिया।

ये सुविधाएं देते हैं

- फलदार पौधे, अदरक, हल्दी, सब्जियों के बीज।
- मंडप के लिए बल्ली व तार।
- पौधों के लिए जैविक खाद।
- पानी के लिए वाड़ी के समीप टंकी निर्माण।
- पौधों की सुरक्षा के लिए नेटगार्ड।
- वाड़ी तक पानी के लिए पीवीसी पाइप।
- मंडप तैयार करने के लिए राशि।
- वाड़ी किनारे पर रोपने के लिए पौधे।